ई.आर.सी.पी. पर हंगामा, दो बार स्थगित हुआ सदन

किरोड़ी मीणा ने कहा, ‘‘आप तो अनुमति नहीं ले सके, हमारे सी.एम. ने तो बनते ही मध्यप्रदेश से सहमति ले ली, यह कांग्रेस पचा नहीं पा रही है

- विपक्ष का आरोप, ‘‘पूर्वी राजस्थान की जनता के साथ सरकार ने बड़ा विश्वासघात किया’’
- ‘ई.आर.सी.पी. को हटाते हैं, यह पार्वती काली सिंध हो गई, आप जनता की आंखों में धूल झोंक रहे हो’
- निर्दलीय बोले, ‘‘83 विधायकों के क्षेत्र में पानी कम हो जाएगा, यह पीढ़ी तो बददुआ देगी ही, आने वाली पीढ़ी भी माफ नहीं करेगी’’

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में ई.आर.सी.पी. पर आधे घंटे की चर्चा के बाद कांग्रेस विधायकों ने सरकार पर 13 जिलों की जनता के हितों पर कुठाराघात करने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। कांग्रेस विधायक और आरएलपी के हनुमान बेनीवाल वेल में आ गए और लगातार सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए राजस्थान के हितों पर कुठाराघात करने के नारे लगाने लगे। हंगामा के चलते सदन की कार्यवाही दो बार 20-20 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी।

नाराज कांग्रेस विधायकों ने वेल में आकर नारेबाजी की। कांग्रेस विधायकों ने पार्वती कालीसिंध (पीकेसी) धोखा है के नारे लगाए। कांग्रेस का आरोप है कि पीकेसी-ईआरसीपी के नए प्रोजेक्ट में 13 जिलों को सिंचाई का पानी नहीं मिलेगा, नए समझौते में पानी पहले से कम मिलेगा। चर्चा में कांग्रेस विधायक रोहित बोहरा ने कहा कि पूर्वी राजस्थान की जनता के साथ भजनलाल सरकार ने जितना बड़ा विश्वासघात किया, उतना किसी ने नहीं किया। बोहरा ने कहा कि किरोड़ीलाल मीणा ने राज्यसभा में सवाल पूछा था, जिसके जवाब में जलशक्ति मंत्री ने कहा था के 75 फीसदी वाटर डिपेंडेबिलिटी नहीं है इसलिए नेशनल परियोजना नहीं बनेगी। नेशनल परियोजना आपने घोषित नहीं की। उन्होंने कहा कि मंत्री ने कहा कि अब ई.आर.सी.पी. को हटाते हैं, अब यह पीकेसी हो गई है। आप जनता की ओखों में धूल झोंक रहे हो। जनता इस सरकार को कभी माफ नहीं करेगी। मंत्री ने कहा था कि 2400 एमसीएम पानी मिलेगा। यह पहले से तय हो चुका है, मंत्री ने सदन को गुमराह किया। मंत्री को यह जवाब ही नहीं देना चाहिए था। पूर्वी राजस्थान बिना सिंचाई के रहेगा।

चर्चा में बोलते हुए आरएलडी विधायक सुभाष गर्ग ने कहा कि पीकेसी ईआरसीपी के एमओयू की कॉपी सदन में नहीं रखी। हो सकता है जल संसाधन मंत्री ने कॉपी देखी ही नहीं हो। सदन में एमओयू को रखिए ताकि यह तो पता लगे कि एमओयू में नया क्या है?

चर्चा में डीडवाना से निर्दलीय विधायक यूनुस खान ने नए एमओयू पर सवाल उठाते हुए सरकार को घेरा और कहा कि जलशक्ति मंत्री ने बताया था कि 3510 का जो प्रस्ताव था, उससे 1000 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी कम मिलेगा। जब पानी कम हो जाएगा, तो सिंचाई कहां से होगी। सिंचाई के सपने तो पूर्वी राजस्थान बंद कर दें। उन्होंने कहा कि 1999 के बाद मध्यप्रदेश ने तो डैम बना लिए। 1200 एमसीएम पानी तो एमपी आज काम ले रहा है। यूनुस खान ने कहा कि किरोड़ी मीणा से राय ली जाती तो राजस्थान के हितों पर कुठाराघात नहीं होता। 83 विधायकों के क्षेत्र में पानी कम हो जाएगा।

विधायकों की ओर से उठाई गई चिंता पर बोलते हुए मंत्री डॉ किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि कई बार चर्चाएं हुई और जब मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी, तब ईआरसीपी के तहत पानी के बंटवारे को मंजूरी देने मना कर दिया था। मीणा ने कहा कि आप तो अनुमति नहीं ले सके, जबकि हमारे सीएम ने तो बनते ही मध्यप्रदेश से सहमति ले ली, यह कांग्रेस पचा नहीं पा रही है। उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार ने जलजीवन मिशन का पैसा ईसरदा डैम में लगा दिया।

डॉ किरोड़ी ने कहा कि राष्ट्रीय परियोजना घोषित करते तो 60 फीसदी केंद्र और 40 फीसदी राज्य को खर्च करना पड़ता। इसे केन-बेतवा परियोजना की थीम पर पीकेसी बनाकर रास्ता निकाला, इसे एनपीपी बनाया जिससे 90 फीसदी पैसा केंद्र देगा। इससे पहले जब मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ को अशोक गहलोत ने पत्र लिखा था, जिसमें कहा था कि 75 फीसदी वाटर डिपेंडेबिलिटी पर प्रोजेक्ट बनाओ, तब हम इसे मंजूरी देंगे। केंद्रीय जल आयोग भी 75 फीसदी को मानता है। वहीं इंदिरा गांधी के जमाने से प्रावधान है कि राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने के लिए डिपेंडेबिलिटी 75 फीसदी ही चाहिए। इंट्रा स्टेट में 50 फीसदी चल जाएगा, लेकिन इंटर स्टेट में 75 फीसदी ही चाहिए। मध्यप्रदेश ने जो बांध बनाए वो इंट्रा स्टेट था। किरोड़ी ने कहा कि 3510 एमसीएफ पानी की बात कहां से आई।

इससे पहले जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा संशोधित पीकेसी लिंक योजना का केंद्रीय जल आयोग परीक्षण कर रहा है। पिछली सरकार ने कम बांध भरने का टारगेट रखा था। नई पीकेसी लिंक परियोजना से 40 फीसदी ज्यादा आबादी को पानी मिलेगा। पीएम मोदी और सीएम भजनलाल ने बड़ा विजन दिखाया है। उन्होंने कहा कि एमओयू के अनुसार डीपीआर बनाई जाएगी, डीपीआर के बाद ही पानी की मात्रा की गणना होगी।

जलसंसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने ईआरसीपी कॉर्पोरेशन बनाया, लेकिन बजट केवल 200 करोड़ का दिया। कॉर्पोरेशन को कहा कि आप जमीन बेचो, लेकिन 14 हजार करोड़ का प्रबंध करो। फिर भी कहते रहे कि केंद्र इस प्रोजेक्ट को पूरा नहीं करेगा तो हम करेंगे, बजट तो दिया ही नहीं।

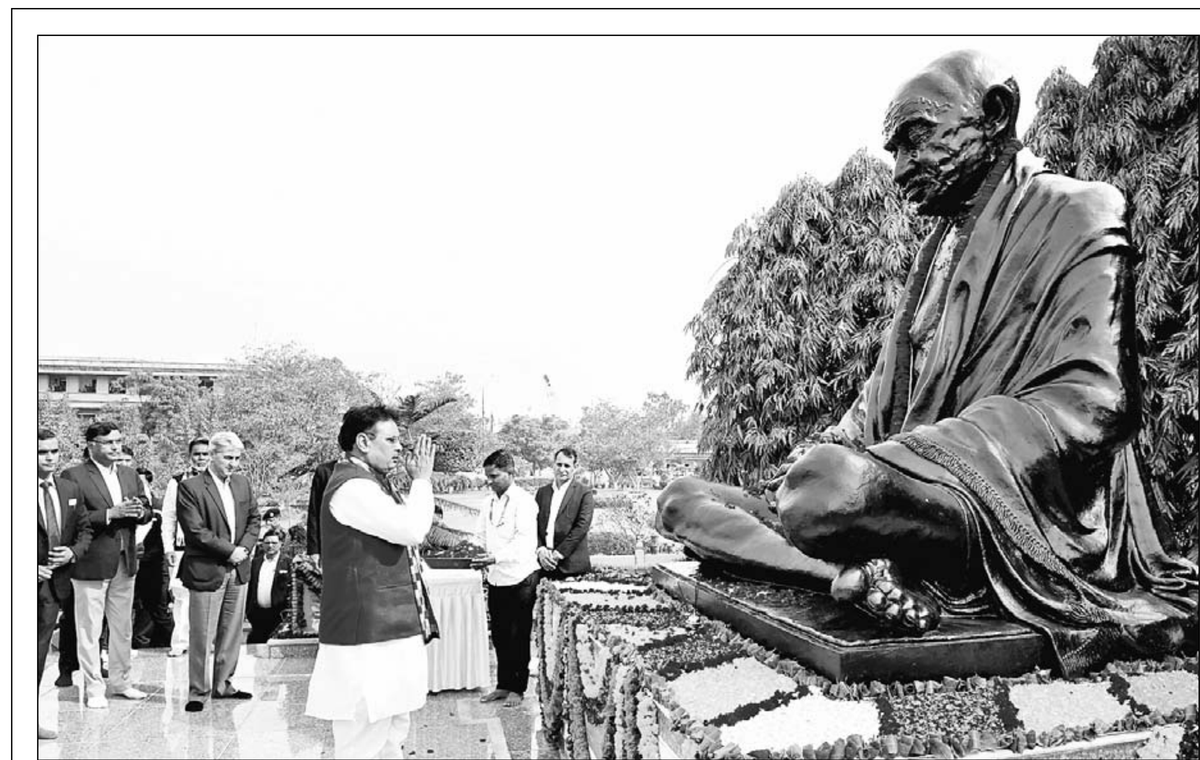

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि (शहीद दिवस) पर मंगलवार को प्रातः शासन सचिवालय स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। शर्मा ने दो मिनट का मौन रखकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं ज्ञात-अज्ञात शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने प्रतिमा के समक्ष बैठकर गांधीजी के प्रिय भजनों 'वैष्णव जन तो तेने कहिये, रघुपति राघव राजा राम, राम रतन धन पायो, श्री राम जय राम, तू ही है तो सहारा' को सुना। इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव, सचिवालय कर्मचारी संघ के पदाधिकारी एवं अधिकारी-कर्मचारियों ने भी मौन रखकर बापू को श्रद्धांजलि अर्पित की।

‘प्रदेश के बाहर आयुष्मान योजना में नहीं हो रहा इलाज’

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में आज चिरंजीवी योजना के बाद आयुष्मान योजना का मुद्दा भी उठा। निर्दलीय विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने स्थगन प्रस्ताव के लिए आयुष्मान योजना का मुद्दा उठाया। हालांकि उनके स्थगन प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिली। स्थगन प्रस्ताव की विषय वस्तु पर बोलते हुए चंद्रभान सिंह आक्या ने कहा कि आज मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना को आयुष्मान के साथ जोड़कर चलाया जा रहा है। चंद्रभान सिंह आक्या ने कहा कि आयुष्मान योजना में एमओयू नहीं होने के कारण प्रदेश के बाहर इलाज के लिए जाने वाले मरीजों को योजना के तहत इलाज नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान से बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए दिल्ली, गुजरात व अन्य राज्यों में जाते हैं। लेकिन उन मरीजों को आयुष्मान योजना में इलाज नहीं मिल रहा है।उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि जल्द से जल्द आयुष्मान योजना के तहत एमओयू किया जाए।

मैडम तुसाद में स्वामी रामदेव की मोम की प्रतिकृति का अनावरण

जयपुर, (का.सं.)। मैडम तुसाद, न्यूयार्क में आज स्वामी रामदेव की मोम की प्रतिकृति का अनावरण किया गया। यह भारतीय संस्कृति, संन्यास और सनातन योग परम्परा के वैश्विक प्रभाव की अत्यंत महत्वपूर्ण मान्यता और प्रतिष्ठा का परिचायक है।

कार्यक्रम में स्वामी रामदेव ने कहा कि मैडम तुसाद, न्यूयॉर्क में 200 से ज्यादा बड़े आयकॉन्स के फिगर लगे हैं जिनमें अमिताभ बच्चन, ऐश्वर्या राय, ऋतिक रोशन, प्रियंका चोपड़ा तथा शाहरूख खान आदि हैं किन्तु वर्ल्ड के उन 200 रिनाउंड आइकॉन्स के साथ भारत के एक संन्यासी को इन्होंने जो सम्मान दिया वह एक संन्यासी का गौरव नहीं अपितु पूरे भारत का गौरव है। आज पूरी दुनियां की निगाहें भारत के योग व आयुर्वेद पर हैं। अब तो अमेरिका में भी मेड इन यूएस तथा मेड बाई अमेरिका के कान्सेप्ट पर चल रहा है। योग, आयुर्वेद एवं स्वदेशी का जो मूमेंट पतंजलि से चलाया था उसकी लहर अब पूरी दुनिया में है।

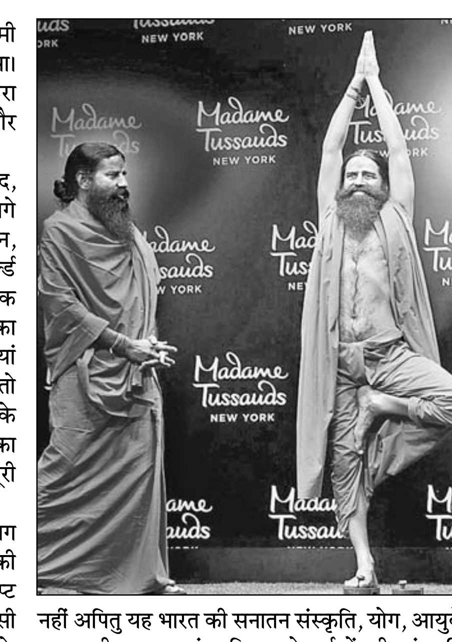

स्वामी ने बताया कि इस प्रतिकृति को बनाने में लगभग 200 आर्टिस्ट का पुरुषार्थ तथा लगभग 2 करोड़ रुपए की लागत आई है। यह कास्ट का विषय नहीं है, यह एक कॉन्सेप्ट है जिसमें भारत और भारतीयता को, भारत के एक संन्यासी को स्थान दिया है। हम इसके लिए मैडम तुसाद की टीम के प्रति कृतज्ञ हैं। उन्होंने कहा कि यह स्वामी रामदेव का सम्मान नहीं अपितु यह भारत की सनातन संस्कृति, योग, आयुर्वेद, भारत की सनातन संस्कृति, हमने पूर्वजों की सांस्कृतिक विरासत का सम्मान है।

सांगा बाबा पदयात्रा 4 को

जयपुर। सांगा बाबा सांगानेर से 4 फरवरी को शिला माता आमेर तक पदयात्रा आयोजित की जाएगी।सुनील कोठारी ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हमारे प्यारे जयपुर शहर को दो हिस्सो मे बांटने का निर्णय किया गया था। जिसके बाद से ही जयपुर शहर को एक बनाए रखने के लिए जयपुरवासियों द्वारा महारा जैपुर-प्यारा जयपुर के तत्वावधान में मुहीम से जुड़कर सभी नागरिको ने जयपुर शहर के प्रमुख मंदिरों मे महाआरती कर सरकार द्वारा जयपुर शहर को दो भागो बांटने के निर्णय को वापस लेने के लिए बाध्य किया। जयपुरवासियो ने श्री सांगा बाबा मंदिर सांगानेर मे संकल्प लिया था कि सरकार द्वारा इस निर्णय के वापस लिए जाने पर एक संकल्प पदयात्रा श्री सांगा बाबा से चांदपोल हनुमान मंदिर होते हुए आमेर शिला देवी मंदिर तक जाएगा।

‘ग्रामीण ओलम्पिक खेलों में अगर भ्रष्टाचार हुआ, तो इसकी जांच होगी’

- खेल मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ ने विधानसभा में मनोज न्यागली के प्रश्न का जवाब दिया

जयपुर, (वि.सं.)। खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय हुए राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेलों में केवल टी-शर्ट व अन्य सामग्री की खरीद पर हुए ख़र्च पर प्रश्नचिह्न लगाया है। तो राज्य सरकार वित्त विभाग के माध्यम से इसकी पूरी जांच कराएगी।

कर्नल राठौड़ प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा विधायक मनोज न्यागली ने कहा कि इसमें अधिकारी सरकार को आंकड़े गलत देकर गुमराह करते हैं। राठौड़ ने कहा कि यह गंभीर चिन्ता का विषय है कि पूर्ववर्ती सरकार के समय 126 करोड़ रुपए की राशि इनकी खरीद पर व्यय कर दी गई। उन्होंने कहा कि खेल विभाग के बजट से भी 4 गुना अधिक बजट इन खेलों के आयोजन में किया गया और किसी भी नए स्टेडियम अथवा स्थायी परिसंपत्ति का निर्माण नहीं हुआ।

उन्होंने कहा कि मुख्य खेल अधिकारी के चयन को लेकर भी किसी तरह की अनियमितता हुई है तो उसकी भी जांच कराई जाएगी।

इससे पहले विधायक मनोज कुमार के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में खेल मंत्री राठौड़ ने बताया कि प्रदेश में राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल-2022 में 40 करोड़ 92 लाख 56 हजार 890 रुपए की राशि व्यय हुई। इसी प्रकार राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक खेल-2023 में 155 करोड़ 46 लाख 72 हजार 500 रुपए की राशि व्यय हुई।

राठौड़ ने बताया कि ग्रामीण ओलंपिक खेलों के आधार पर राज्य, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए, प्रतिभाओं के चयन या सरकारी सेवा में आउट ऑफ टर्न नियुक्ति दिये जाने का प्रावधान नहीं है।

कर्नल राठौड़ ने बताया कि ग्रामीण ओलंपिक खेलों में हुए व्यय की अभी तक कोई जांच नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि विधायक की मांग को देखते हुए ग्रामीण ओलंपिक खेलों में हुए व्यय की जांच करवाई जाएगी।

उप मुख्यमंत्री दियाकुमारी ने मंगलवार को अपना जन्मदिन कार्यकर्ताओं और जनता के बीच धूमधाम से मनाया। उन्होंने बच्चों के साथ केक काटकर अपना जन्मदिन मनाया।

‘खनन अभियान के नाम पर पुलिस कर रही ज्यादती’

जयपुर, (वि.सं.)। बूंदी विधायक हरिमोहन शर्मा ने स्थगन प्रस्ताव के जरिए बूंदी जिले में पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अवैध खनन के संबंध में जो अभियान चलाया जा रहा है। उस अभियान में बूंदी पुलिस बिना खनन विभाग के अधिकारियों के यह तय कर लेती है कि कहां अवैध खनन हो रहा है और कहां नहीं। बूंदी पुलिस अधीक्षक की ओर से 100 दिवसीय कार्ययोजना के अंतर्गत एक प्रेसनोट जारी करके बताया गया कि उन्होंने अवैध खनन कर रहे वाहनों को जब्त किया है। इस गलत कार्रवाई के खिलाफ जब जनप्रतिनिधियों ने सवाल उठाया तो उन्हीं वाहनों को लेकर एक दूसरा प्रेसनोट जारी किया जाता है।

‘गांवों को विकसित करने का सपना पूरा करने के लिए नारी शक्ति का अहम योगदान’

- भाजपा के गांव चलो अभियान के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं का किया जाएगा प्रचार-प्रसार : दामोदर अग्रवाल
- भाजपा प्रदेश कार्यालय में शक्ति वंदन एवं गांव चलो अभियान की जिला कार्यशाला आयोजित

जयपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आज शक्ति वंदन एवं गांव चलो अभियान की जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में भाजपा के प्रदेश महामंत्री मोतीलाल मीणा, प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल और भाजपा जयपुर देहात दक्षिण जिलाध्यक्ष राजेश गुर्जर ने कार्यशाला को संबोधित किया।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता भाजपा प्रदेश महामंत्री मोतीलाल मीणा ने पीपीटी के माध्यम से अभियान के संबंध में प्रजेंटेशन दिया। साथ ही संबोधित करते हुए कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गांवों को विकसित करने का सपना पूरा करने में नारी शक्ति का अहम योगदान है। इसलिए इस दिशा में प्रधानमंत्री मोदी ने लखपति दीदी योजना शुरू की है। इस योजना के माध्यम से नारी को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ ही उनकी सामाजिक क्षेत्र में सहभागिता बढ़ाई जाएगी। गांव चलो अभियान के तहत कार्यकर्ताओं का प्रवास कार्यक्रम 4 फरवरी से 11 फरवरी तक चलाया जाएगा। भाजपा के गांव चलो अभियान के तहत जिले के लगभग 2600 कार्यकर्ता 24 घंटे का प्रवास गांवों में करेंगे। इस अभियान को धरातल पर उतारने पर जोर दिया जाएगा।

प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं को इस अभियान में सकारात्मक ऊर्जा के साथ काम करना होगा। गांव चलो अभियान में प्रवासी कार्यकर्ताओं द्वारा पीएम मोदी की योजनाओं के बारे में प्रत्येक गांव-गांव और ढाणी-ढाणी जाकर प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद भी किया जाएगा। इस अभियान में केंद्र की योजनाओं को बूथसमिति, पन्ना प्रमुखों के सहयोग से घर-घर पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान के लिए संगठन की संरचना का काम भी प्रवासी कार्यकर्ताओं द्वारा किया जाएगा।

कार्यशाला में अभियान के संभाग सह-प्रभारी सत्य नारायण चौधरी, जिला प्रभारी विमल अग्रवाल, जिला महामंत्री अजयपाल सिंह, गांव चलो अभियान के जिला संयोजक एवं जिला मंत्री एडवोकेट हरिमोहन शर्मा एवं सभी मंडल अध्यक्ष, मंडल संयोजक और सह संयोजक सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'बाड़मेर-जैसलमेर के 73 गांव मूलभूत सुविधाओं से वंचित' : विधानसभा में निर्दलीय विधायक रविन्द्र सिंह भाटी ने स्थगन प्रस्ताव की विषय वस्तु पर बोलते हुए कहा कि आज भी बाड़मेर-जैसलमेर के 73 गांव ऐसे हैं, जो 1981 के नोटिफिकेशन के कारण आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। यहां किसान खेती नहीं कर पा रहे हैं। गांवों में डामर की सड़क नहीं है। चिकित्सा सुविधा के नाम पर कुछ नहीं है। लेकिन इस ओर किसी का ध्यान नहीं गया है। ऐसे में हमारी मांग है कि सरकार के स्तर पर मंत्री समूह गठित किया जाए।

कराते प कोबुडो बैल्ट ग्रेडिंग में 530 छात्रों ने भाग लिया

जयपुर, (का.सं.)। मुरलीपुरा स्थित इण्डियन मार्शल आर्टस एकेडमी की कराते प कोबुडो बैल्ट ग्रेडिंग जमना विद्यापीठ सीनियर सैकण्डरी स्कूल न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर में सम्पन्न हुई। इसमें 530 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया जिसमें कल्याण सीनियर सैकण्डरी स्कूल, एसएमएस स्कूल, भवानी निकेतन स्कूल, ए.वी.वी.एम. स्कूल, एस.एन. कॉन्वेंट स्कूल, लोटस स्कूल, जी.आर. ग्लोबल एकेडमी, महाराजा सवाई मानसिंह स्कूल, हंसराज एकेडमी रकूल, श्री कृष्णा पब्लिक स्कूल, यूरो किड्स स्कूल माधव नगर स्कूल के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। जिसमें उत्तर भारत के प्रमुख प्रशिक्षक गौजू रयू केनसिकाय सिंहान महेन्द्र गहलोत, ब्लेक बेल्ट 6 डान के सानिध्य में हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जमना विद्यापीठ स्कूल के डायरेक्टर मंजूबाला चौधरी, महेन्द्र खण्डेलवाल समाजसेवी मुख्य अतिथि रहे। इसमें यलो बेल्ट में वन्दना कुमारी, बाबूलाल सैनी, कनिष्का राठौड, कृतिका जोशी, समीर, ओरेन्ज बैल्ट- मेघा गहलोत, शिवम भाटी, ग्रीन बैल्ट अवन्तिका सरोज, पूजा गुर्जर, प्रेरक बंसल, हर्षित वर्मा, भुवित कुमावत, ब्ल्यू बैल्ट युवराज सैन, वन्दना सैनी, आरती सैनी, परपल बैल्ट मानव पारीक, ब्राउन-4- माहिका आदि शामिल हुये।

‘नए जिला कारागृह बनने पर हो सकेगा आबादी क्षेत्र में जेलों की समस्या का समाधान’

- कारागार मंत्री की ओर से चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने जवाब दिया
- विधानसभा में उठा मुख्यमंत्री को जेल से मिली धमकी का मुद्दा

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान पिछले दिनों मुख्यमंत्री को जेल से मिली धमकी का मुद्दा उठा। इस पर सरकार ने माना कि जेलों में कैदियों की संख्या ज्यादा है और ज्यादातर जेल शहर के बीच में हैं, ऐसे में जल्द ही नई जेल बनाई जाएगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री को धमकी देने के सवाल पर मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने जवाब दिया कि कई बार जेल में स्मगलिंग और मोबाइल की वारदात के मामले सामने आते हैं, लेकिन जल्द ही इन जेलों से कैदियों को शिफ्ट किया जाएगा। इस पर अध्यक्ष ने कहा जिलों में नहीं तो संभाग पर ज्यादा कैपेसिटी वाली जेल बनाई जाए। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह ने मंत्री के जवाब को विधानसभा में कहा कि नए जिला कारागृह बनने पर कैदियों को इनमें शिफ्ट किया जा सकेगा। इससे आबादी क्षेत्र में कारागृहों के संचालन तथा इनमें क्षमता से अधिक बंदियों को रखने की समस्या का समाधान हो सकेगा।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों पर कारागार मंत्री की ओर से जवाब दे रहे थे। प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक रफीक खान ने जयपुर के केंद्रीय कारागृह और अन्यत्र स्थानांतरण को लेकर सवाल लगाया। इस पर जवाब देते हुए मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि सरकार कैदियों की संख्या को देखते हुए और सुरक्षा के मापदंडों को ध्यान में रखकर शहर से बाहर जेल बनाएगी। वहां कैदियों को हस्तांतरित किया जाएगा। इस लिए नई जेल बनाई जाएगी ताकि इस दबाव को कम किया जा सके। मंत्री गजेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने 19 जिले नए बनाए। उन सभी जिलों में भी जेल बनेगी, इसके बाद जिन जेलों में कैदियों की संख्या ज्यादा है वहां उन्हें शिफ्ट किया जाएगा। विधायकरफीक खान ने कहा कि शहर के बीच में जेल असुरक्षित है और जेल से मुख्यमंत्री तक को धमकी मिल रही है। इस मंत्री गजेंद्र सिंह ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार चाहती तो पांच साल में वित्तीय स्वीकृति जारी कर जेल बना सकती थी, लेकिन इन्होंने नहीं बनाई. अब हमारी सरकार बनाएगी। इस बीच रफीक खान ने फिर सवाल खड़े किए और कहा कि मुख्यमंत्री को धमकी मिल रही है।इस पर मंत्री ने कहा कि सुरक्षित और कैपेसिटी एक अलग चीज है। कई जगह मोबाइल और स्मगलिंग की वारदात आती रहती है, लेकिन ये सही है कि सरकार नई जेल बनाने पर काम करेगी, ताकि जो खतरा शहरों के बीच में बनी जेल से बना हुआ है, वो खत्म हो।

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार आबादी क्षेत्र में चल रही जयपुर सेन्ट्रल जेल को अन्यत्र शिफ्ट किया जा सकता था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया।

जयपुर के ऐमान का दिल्ली में सम्मान

जयपुर, (का.सं.)। गुलाबी नगर जयपुर के रहने वाले ऐमान खान का वीरगाथा प्रतियोगिता में चयन होने पर दिल्ली में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा सम्मानित किया गया।

ऐमान खान जगतपुरा स्थित सेंट मेरी कॉन्वेंट स्कूल में कक्षा 6 में पढ़ते हैं। ऐमान के पिता आदिल खान ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा पूरे देश में वीरगाथा प्रतियोगिता का आयोजन पिछले वर्ष किया गया था, जिसमें बच्चों ने वीर जवानों और सेनानियों की वीरगाथा को प्रदर्शित करते हुए पेंटिंग बनाई थी। इसमें टॉप 100 बच्चों का चयन किया गया। इसके बाद चयनित बच्चों को दिल्ली बुलाया गया था। नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर 25 जनवरी को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ऐमान को सम्मानित किया।

नाटक ‘‘दिव्य दृष्टि’’ का हुआ मंचन

जयपुर, (का.सं.)। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयोजक आशादर्शन कला संस्था द्वारा दो दिवसीय ‘‘लुइस ब्रेल फेस्टिवल’’ का मंगलवार को समापन हुआ समापन पर रवींद्र मंच पर डॉ आशुतोष लिखित एवं युवा नाट्यय निर्देशक महेश महावर के निर्देशन में नाटक दिव्य दृष्टि का मंचन किया गया। आज की प्रस्तुति अनुपम रंग थियेटर सोसायटी द्वारा दी गई। समारोह के पहले दिन आयोजक संस्था द्वारा लुई ब्रेल जयंती पर नेत्रहीन स्कूल में दृष्टिबाधित सुगम संगीत कार्यक्रम का स्वराही प्रस्तुति के रूप में आयोजन किया गया, जिसमें देख सकने वाले प्रोफेशनल गायकों के साथ ही नेत्रहीन गायक कलाकारों ने भी बेहतरीन प्रस्तुतियां दी।

नाटक ‘‘दिव्य दृष्टि’’ के निर्देशक महावर ने बताया कि 45 दिवसीय कार्यशाला में तैयार उक्त नाटक में एक ऐसे गांव के लोगों को केंद्र में रखा गया है जो यह मानते हैं कि नेत्रहीन बच्चा पैदा होना अभिशाप है, नेत्रहीन धरती का बोझ है नाट्यय मंचन का मूल संदेश जो आम इंसान कर सकता है, वही नेत्रहीन भी कर सकता है रहा तथा नाटक के अंतिम दृश्य में गांव के नेत्रहीन की बारात का दृश्य बेहद खूबसूरत एवं रोमांचित करने वाला रहा नाट्यय कार्यशाला के दौरान सभी कलाकारों ने नेत्रहीन बच्चों के साथ समय बिताकर उनके जीवन का दर्शन किया, नेत्रहीन व्यक्ति अपने जीवन के बारे में क्या सोचता है, लुइस ब्रेल ने नेत्रहीनों के पढ़ने के लिए ब्रेल लिपि का आविष्कार नहीं किया होता तो क्या होता, आदि विषयों को ध्यान में रखकर नाटक ‘‘दिव्य दृष्टि’’ को मंचित करने की डिजाइन तैयार की गई।

‘फिल्म उद्योग को ओटीटी ने फिर से जीवंत कर दिया’

जयपुर (का.सं.)। ओटीटी ने फिल्म उद्योग को फिर से जीवंत कर दिया है। कई नए अभिनेताओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल रहा है, विशेषकर ऐसे अभिनेता जिन्होंने थिएटर में प्रशिक्षण लिया है।

कई अभिनेता, जिन्हें पहले अवसर नहीं मिल रहे थे, वे ओटीटी प्लेटफार्मों के माध्यम से फिल्म उद्योग में प्रवेश करने में सक्षम हुए हैं। हम ओटीटी को बुरा नहीं कह सकते, बल्कि इसने इंडस्ट्री को नए ट्रेंड दिए हैं। यह बात निर्देशक और अभिनेता टीनू आनंद ने 10वें राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (रिफ) 2024 में यूथ एंड फिल्म हेरिटेज विषय पर चर्चा के दौरान कही। वह कवि और पब्लिसिस्ट जगदीप सिंह से बातचीत कर रहे थे। टीनू आनंद ने दक्षिणी और बॉलीवुड फिल्म निर्माण में महसूस किए गए अंतर के बारे में भी बात की।